वर्ष 16 अंक 333 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, बुधवार 07 दिसम्बर 2022

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

गेहूं फसल में खरपतवार प्रबंधन विषय पर सीएसए ने जारी की एडवाइजरी

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के सहायक शोध निदेशक डॉ मनोज मिश्र ने किसान भाइयों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि गेहूं की फसल में खरपतवार नियंत्रण नितांत आवश्यक है। डॉक्टर मिश्र ने बताया कि गेहूं की फसल में खरपतवार कृषि की बहुत बड़ी समस्या है खरपतवारों के कारण फसल को नुकसान होता है तथा उत्पादन पर भी असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि खरपतवार ओं के कारण फसल उत्पादन में 25 से 35 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है क्योंकि जो पोषक तत्व फसलों को दिए जाते हैं वह पोषक तत्व खरपतवार ले लेते हैं जिससे फसल कमजोर हो जाती है। इसलिए उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि खरपतवार नियंत्रण अवश्य अपनाएं। डॉ मिश्र ने बताया कि गेहूं में मुख्यतः दो तरह के खरपतवार ओं की समस्या होती है जैसे सकरी पत्ती वाले खरपतवार मोथा,कांस, जंगली जई आदि तथा चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार जैसे बथुआ,सेंजी, कासनी, जंगली पालक, कृष्ण नील, हिरनखुरी आदि। डॉक्टर मिश्र ने बताया कि चौड़ी एवं सकरी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए दवा सल्फोसल्फुरोन 5 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 35 दिन के अंदर छिड़काव करें जिससे किसानों को लाभ होगा। अथवा सकरी एवं चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए मेट्रिब्यूजीन 250 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। उन्होंने बताया की कभी-कभी गेहूं की फसल में केवल सकरी पत्ती वाले ही खरपतवार होते हैं तो इसके लिए किसान भाई आइसोप्रोटूरोन 750 ग्राम प्रति हेक्टेयर बुवाई के 20 दिन के अंदर छिड़काव करें और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार ओं के लिए 2,4-डी सोडियम साल्ट आधा किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 35 के अंदर छिड़काव करें। डॉ मिस्र ने किसान भाइयों से अपील किया है कि दवा छिड़कते समय सावधानी जरूर बरतें मुंह पर मास्क और हाथों में दस्ताना पहन कर छिड़काव करें तथा जब तेज हवा चल रही हो तक छिड़काव बिल्कुल ना करें। किसान भाई अधिक जानकारी के लिए कार्यालय समय आकर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

गेहूं फसल में खरपतवार प्रबंधन विषय पर सीएसए ने जारी की एडवाइजरी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के सहायक शोध निदेशक डॉ मनोज मिश्र ने किसान भाइयों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि गेहूं की फसल में खरपतवार नियंत्रण नितांत आवश्यक है। डॉक्टर मिश्र ने बताया कि गेहूं की फसल में खरपतवार कृषि की

बहुत बड़ी समस्या है खरपतवारों के कारण फसल को नुकसान होता है तथा उत्पादन पर भी असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि खरपतवार ओं के कारण फसल उत्पादन में 25 से 35ज्ञ तक की कमी देखी गई है क्योंकि जो पोषक तत्व फसलों को दिए जाते हैं वह पोषक तत्व खरपतवार ले लेते हैं जिससे फसल कमजोर हो जाती है। इसलिए उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि खरपतवार नियंत्रण अवश्य अपनाएं। डॉ मिश्र ने बताया कि गेहूं में मुख्यतः दो तरह के खरपतवार ओं की समस्या होती है जैसे सकरी पत्ती वाले खरपतवार मोथा,कांस, जंगली जई आदि तथा चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार जैसे बथुआ,सेंजी, कासनी, जंगली पालक, कृष्ण नील, हिरनखुरी आदि। डॉक्टर मिश्र ने बताया कि चौड़ी एवं सकरी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए दवा सल्फोसल्फुरोन 5 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 35 दिन के अंदर छिड़काव करें जिससे किसानों को लाभ होगा। अथवा सकरी एवं चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए मेट्रिब्यूज़ीन 250 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। उन्होंने बताया की कभी-कभी गेहूं की फसल में केवल सकरी पत्ती वाले ही खरपतवार होते हैं तो इसके लिए किसान भाई आइसोप्रोटूरोन 750 ग्राम प्रति हेक्टेयर बुवाई के 20 दिन के अंदर छिड़काव करें और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार ओं के लिए 2,4-डी सोडियम साल्ट आधा किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 35 के अंदर छिड़काव करें। डॉ मिस्र ने किसान भाइयों से अपील किया है कि दवा छिड़कते समय सावधानी जरूर बरतें मुंह पर मास्क और हाथों में दस्ताना पहन कर छिड़काव करें तथा जब तेज हवा चल रही हो तक छिड़काव बिल्कुल ना करें। किसान भाई अधिक जानकारी के लिए कार्यालय समय आकर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

दि ग्राम टुडे

देहरादून, बुधवार, 7 दिसम्बर 2022

गेहूं फसल में खरपतवार प्रबंधन विषय पर सीएसए ने जारी की एडवाइजरी

दि ग्राम टुडे,कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के सहायक शोध निदेशक डॉ मनोज मिश्र ने किसान भाइयों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि गेहूं की फसल में खरपतवार नियंत्रण नितांत आवश्यक है। डॉक्टर मिश्र ने बताया कि गेहूं की फसल में खरपतवार कृषि की बहुत बड़ी समस्या है खरपतवारों के कारण फसल को नुकसान होता है तथा उत्पादन पर भी असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि खरपतवार ओं के कारण फसल उत्पादन में 25 से 35न्न तक की कमी देखी गई है क्योंकि जो पोषक तत्व फसलों को दिए जाते हैं वह पोषक तत्व खरपतवार ले लेते हैं जिससे फसल कमजोर हो जाती है। इसलिए उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि खरपतवार नियंत्रण अवश्य अपनाएं। डॉ मिश्र ने बताया कि गेहूं में मुख्यतः दो तरह के खरपतवार ओं की समस्या होती है जैसे सकरी पत्ती वाले खरपतवार मोथा,कांस, जंगली जई आदि तथा चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार जैसे बथुआ,सेंजी, कासनी, जंगली पालक, कृष्ण नील, हिरनखुरी आदि। डॉक्टर मिश्र ने बताया कि चौड़ी एवं सकरी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए दवा सल्फोसल्फुरोन्न 5 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 35 दिन के अंदर छिड़काव करें जिससे किसानों को लाभ होगा। अथवा सकरी एवं चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए मेट्रिब्यूज़ीन 250 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। उन्होंने बताया की कभी-कभी गेहूं की फसल में केवल सकरी पत्ती वाले ही खरपतवार

होते हैं तो इसके लिए किसान भाई आइसोप्रोटूरोन 750 ग्राम प्रति हेक्टेयर बुवाई के 20 दिन के अंदर छिड़काव करें और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार ओं के लिए 2,4-डी सोडियम साल्ट आधा किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 35 के अंदर छिड़काव करें। डॉ मिस्र ने किसान भाइयों से अपील किया है कि दवा छिड़कते समय सावधानी जरूर बरतें मुंह पर मास्क और हाथों में दस्ताना पहन कर छिड़काव करें तथा जब तेज हवा चल रही हो तक छिड़काव बिल्कुल ना करें। किसान भाई अधिक जानकारी के लिए कार्यालय समय आकर जानकारी प्राप्त कर सकते है।

खरपतवार साफ न किया तो 25% गेहूं का उत्पादन प्रभावित होगा

गेहूं फसल में खरपतवार प्रबंधन विषय पर सीएसए ने जारी की एडवाइजरी

डीटीएनएन। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के सहायक शोध निदेशक डॉ मनोज मिश्र ने किसान भाइयों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि गेहूं की फसल में खरपतवार नियंत्रण नितांत आवश्यक है। डॉक्टर मिश्र ने बताया कि गेहूं की फसल में खरपतवार कृषि की बहुत बड़ी समस्या है खरपतवारों के कारण फसल को नुकसान होता है तथा उत्पादन पर भी असर पड़ता है। उन्होंने कहा कि खरपतवार ओं के कारण फसल उत्पादन में 25 से 35त्न तक की कमी देखी गई है क्योंकि जो पोषक तत्व फसलों को दिए जाते हैं वह पोषक तत्व खरपतवार ले लेते हैं जिससे फसल कमजोर हो जाती है। इसलिए उन्होंने किसान भाइयों से अपील की है कि खरपतवार नियंत्रण अवश्य अपनाएं। डॉ मिश्र ने बताया कि गेहूं में मुख्यतः दो तरह के खरपतवार ओं की समस्या होती है जैसे सकरी पत्ती वाले खरपतवार मोथा,कांस, जंगली जई आदि तथा चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार जैसे बथुआ,सेंजी, कासनी, जंगली पालक, कृष्ण नील, हिरनखुरी आदि। डॉक्टर मिश्र ने बताया कि चौड़ी एवं सकरी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए दवा सल्फोसल्फुरोत्र 5 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 35 दिन के अंदर छिड़काव करें जिससे किसानों को लाभ होगा। अथवा सकरी एवं चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए मेट्रिब्यूज़ीन 250 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। उन्होंने बताया की कभी-कभी गेहूं की फसल में केवल सकरी पत्ती वाले ही खरपतवार होते हैं तो इसके लिए किसान भाई आइसोप्रोटूरोन 750 ग्राम प्रति हेक्टेयर बुवाई के 20 दिन के अंदर छिड़काव करें और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार ओं के लिए 2,4-डी सोडियम साल्ट आधा किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 35 के अंदर छिड़काव करें। डॉ मिस्त्र ने किसान भाइयों से अपील किया है कि दवा छिड़कते समय सावधानी जरूर बरतें मुंह पर मास्क और हाथों में दस्ताना पहन कर छिड़काव करें तथा जब तेज हवा चल रही हो तक छिड़काव बिल्कुल ना करें। किसान भाई अधिक जानकारी के लिए कार्यालय समय आकर जानकारी प्राप्त कर सकते है।